IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के जीवन मूल्योंपर इंटरनेट के प्रयोगसेपड़नेवालेप्रभावका अध्ययन

–आरती शर्मा

असिस्टेंट प्रोफेसर

बियानीगर्ल्सबी.एड. कॉलेज

शिक्षा एक स्वाभाविकओरसहजक्रियाहैऔरजन्मसेमृत्युपर्यन्तचलतीरहतीहै।आजविज्ञान–ज्ञान के विस्फोट के युग मेंवैज्ञानिकउन्नति के साथ–साथशिक्षाजगतमेंभीवैज्ञानिकउपकरणोंकाउपयोग बढ़ताजारहाहै।कम्प्यूटरआधुनिकप्रौद्योगिकीकासबसेबडा योगदानहैऔरइंटरनेट के साथ यह औरभीताकतवर बन जाताहै। शोध के अध्ययन हेतुसर्वेक्षणविधि काप्रयोगकियागयाहैतथा यादृच्छिकविधि द्वारा उच्चमाध्यमिक स्तर के 60 छात्र–छात्राओंकाचयनकियागयाहै।इंटरनेट के जीवन मूल्योंपरप्रभावहेतुस्वनिर्मितप्रश्नावलीकाप्रयोगकियागयाहै। शोध कानिष्कर्ष यह निकलताहैकिवर्तमान समय मेंतकनीकी युगमेंछात्रोंकोशिक्षामेंसहयोग के लिए इंटरनेटकाप्रयोगकरनाचाहिए परन्तुअपने जीवन मूल्योंपरकोईनकारात्मकप्रभाव न पडनेदें।

प्रस्तावना:–

विद्यार्थी जीवन मेंइंटरनेटकाबहुतमहत्वहै।इंटरनेटअनन्तसंभावनाओंकासाधनहैजोआपको घरबैठेहीउच्चशिक्षाप्राप्तकरनेमेंआपकीसहायताकरताहै।आपमिनटोंमेंइंटरनेटपरगूगलकीसहायतासेकोईभीजा नकारीप्राप्तकरसकतेहैं।इसकीमददसेकोईभीअसाईनमेंटतैयारकरसकतेहैं।ऑनलाईनटीचर्स व स्टूडेंट्स मिल सकतेहैं व पढ़ाईकरसकतेहैं।इंटरनेट के उपयोग ने एक नए युग की शुरूआतकरदीहैजिसनेविद्यार्थियों एवंशिक्षकोंमें एक उम्मीदजगादीहै।इंटरनेटनेआजविद्यार्थियोंकोअपनीमर्जी, अपने समय औरअपनेस्थान के अनुसारअपने अध्ययन कोआगे बढ़ानेकाविकल्पदियाहै।आधुनिक समय मेंई–लर्निंगप्रणालीभीअत्यन्तलोकप्रिय होरहीहै।

शोध के उद्देश्य–

1. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के शैक्षिकमूल्योंपरपड़नेवालेप्रभावका अध्ययन।
2. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के सामाजिकमूल्योंपरपडनेवालेप्रभावका अध्ययन।
3. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के नैतिकमूल्योंपरपड़नेवालेप्रभावका अध्ययन।

शोध की परिकल्पनाएंः–

1. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के शैक्षिकमूल्योंपरपडनेवालेप्रभावमेंसार्थकअंतरनहींहै।
2. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के सामाजिकमूल्योंपरपडनेवालेप्रभावमेंसार्थकअंतरनहींहै।
3. इंटरनेट के अधिकप्रयोगसेउच्चमाध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं के नैतिकमूल्योंपरपडनेवालेप्रभावमेंसार्थकअंतरनहींहै।

शोध मेंप्रयुक्ततकनीकी शब्दावली:–

1. इंटरनेट–नेटवर्ककावहजालजिससेदुनियाभर के कम्प्यूटरटेलीफोनलाईनअथवाउपग्रह के माध्यम सेजुडकरसूचनाओंकाआदान–प्रदानकरसकतेहैं।
2. मृत्युपर्यन्त–जन्मसेलेकरमृत्युतक।
3. उच्चमाध्यमिक स्तर–कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियोंकोउच्चमाध्यमिक स्तर के अन्तर्गतसम्मिलितकियाजाताहै।प्रस्तुत शोध के लिए माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियोंकाचयनकियागयाहै।
4. ई–लर्निंग–ई–लर्निंगहमारीपारम्परिकशिक्षा के विपरीत एक अलगप्रकार की शिक्षाविधि हैजिसमेंहमकम्प्यूटर या मोबाइलफोन के उपयोगसेऑनलाईनशिक्षाप्राप्तकरतेहैं।

शोधकार्यकापरिसीमांकन:–

1. प्रस्तुत अध्ययन कोजयपुरजिले के उच्चमाध्यमिक विद्यालयोंतकहीसीमित रखागयाहै।
2. न्यादर्श के रूप मेंउच्चमाध्यमिक स्तर के 60 विद्यार्थियोंकोचुनागयाहै।
3. प्रस्तुत अध्ययन मेंउच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियोंकेक जीवन मूल्योंपरइंटरनेट के अधिकउपयोगका अध्ययन कियागयाहै।
4. उपकरण के रूप में जीवन मूल्योंपरपड़नेवालेप्रभाव के अध्ययन के लिए स्वनिर्मितप्रश्नावलीकाप्रयोगकियागयाहै।
5. सांख्यिकी के रूप में मध्यमान, प्रमापविचलन एवंटी–परीक्षणकाप्रयोगकियागयाहै।

प्रदत्तोंकावर्गीकरण व विश्लेषण–

1. उच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की इंटरनेट के अधिकप्रयोगसे शैक्षिक जीवन परप्रभावमेंकोईसार्थकअंतरनहींपायागयाक्योंकिज कामान 1.63 प्राप्तहुआजोकितालिका के मानसे कम हैऔर शून्य परिकल्पनास्वीकृतकीगई।
2. परिकल्पना 2 भीस्वीकृतकीगईक्योंकिगणना द्वाराज कामान 1.58 प्राप्तहुआजोकितालिका के मानसे कम हैअर्थातउच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के सामाजिक जीवन परइंटरनेट के अधिकप्रयोगसेपडनेवालेप्रभावमेंकोईसार्थकअंतरनहींहै।
3. परिकल्पना 3 भीस्वीकृतकीगईक्योंकिगणना द्वाराज कामान 1.72 प्राप्तहुआजोकितालिका के मानसे कम हैअर्थातउच्चमाध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के नैतिकमूल्योंपरइंटरनेट के अधिकप्रयोगसेपडनेवालेप्रभावमेंकोईसार्थकअंतरनहींहै।

शैक्षिकनिहितार्थ:–

1. **विद्यार्थियों के लिए उपयोगिता**–छात्रोंकोइंटरनेटपरउपलब्ध सूचनाओं व सुविधाओंकाअनावश्यक रूप सेप्रयोग न करके उन जानकारियोंकोप्राप्तकरनाचाहिए जो उनके लिए लाभप्रदहो।छात्र यह जानसकतेहैंकिइंटरनेटकेअधिकप्रयोगसे उनके जीवन मूल्य परप्रभावपड़ताहै।वेज्ञानवर्द्धकसूचनाओंकोप्राप्तकरअपनेव्यवहारमेंवांछितपरिवर्तन व सुधारकरसकतेहैं।
2. **अध्यापकों के लिए उपयोगिता**–प्रस्तुत शोध के निष्कर्षोंसे अध्यापक वर्तमानतकनीकीकाप्रयोगकरतेहुए अपनी शैक्षिकउपलब्धि को बढ़ावादेने के लिए प्रेरितकरसकतेहैंजोविद्यार्थियों के शैक्षिकमूल्योंकोश्रेष्ठबनाने की दृष्टिसेउपयोगीहै।

3. **अभिभावकों के लिए उपयोगिता**–अभिभावकप्राप्तनिष्कर्षों के आधारपरविद्यार्थियोंकोइंटरनेटपरउपलब्ध उन ज्ञानवर्धकउपयोगीजानकारियोंकोप्राप्तकरने के लिए प्रेरितकरसकतेहैं, जो उनके जीवन मेंउपयोगीहों, उनके जीवन मूल्य कोउत्कर्षबनाये। उन बालकोंपरअनावश्यक वअनुचितप्रभाव न डाले।

भावी शोध हेतुसुझाव–

1. इंटरनेटकाप्रयोगकरनेवालेग्रामीण व शहरीविद्यार्थियों की शैक्षिकउपलब्धि परप्रभावका अध्ययन कियाजासकताहै।
2. यहअनुसंधानकार्यउच्चमाध्यमिक स्तर के अतिरिक्तस्नातकस्तर के विद्यार्थियोंपरभीकियाजासकताहै।
3. वर्तमानमेंइंटरनेट के अधिकप्रयोगकामाध्यमिक व स्नातकस्तर के विद्यार्थियोंपरपडनेवालेप्रभावका अध्ययन करसकतेहैं।
4. इंटरनेट के प्रयोगकाविद्यार्थियों कीमानसिकतापरपडनेवालेप्रभावका अध्ययन करसकतेहैं।
5. इंटरनेट के अधिकप्रयोग के प्रभावकाविभिन्नआयुवर्गमेंतुलनात्मक अध्ययन कियाजासकताहै।

संदर्भग्रंथ :–

1. रेड्डीआर.जय प्रकाश–रिसर्चमैथोडोलॉजी, ए.एच.पी. पब्लिशिंगदिल्ली, 2007
2. शर्मा, ओ.पी. सिंह, रामपाल–शैक्षिकअनुसंधान एवंसांख्यिकी विनोदपुस्तकमंदिर, आगरा, 2008
3. Weblink-www.articles timesof india.com
   www. researchgate.net/publication
4. आर.ए.शर्मा–शिक्षाअनुसंधान (2005) सूर्यापब्लिकेशनमेरठ